This question paper contains 3 printed pages.

7119 *Your Roll No.* .....

M.A. / I **A**

BUDDHIST STUDIES— Paper 04

(History of Buddhism in Ancient and Early Medieval India)

(Admissions of 2006 to 2008)

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

First question is compulsory. Attempt three questions in all. All questions carry equal marks.

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। कुल मिलाकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write notes of about 250 words each on any *three* of the following:

   (*i*) Short Chronology and Date of the Buddha

P. T. O.

(*ii*) The Dotted Record

(*iii*) *Dasavatthūni* (Ten extravagances)

(*iv*) The Rule of *Tikotiparisuddha*

(*iv*) Inscriptions as sources for the study of Indian Buddhism.

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर 250 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए:

(*i*) लघु कालानुक्रम व बुद्ध की तिथि

(*ii*) अंकित अभिलेख

(*iii*) **दसवत्थूनि** (दस उच्छृंखलाएँ)

(*iv*) तिकोटिपरिसुद्ध का नियम

(*iv*) भारतीय बौद्ध धर्म के अध्ययन के स्रोतों के रूप में अभिलेख।

2. "Devadatta was not an evil doer but a realized master ... the most important reason for his vilification was his strict identification with forest Buddhism as it did not go well with settled monasticism." (*R.A. Ray*). Taking into account this statement, evaluate the position of Devadatta in the history of Indian Buddhism.

"देवदत्त एक दुष्कर्मी नहीं वरन् एक सिद्ध योगी था ... उसके दुष्चरण का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारण वनाश्रित बौद्ध धर्म के प्रति उसकी कठोर निष्ठा थी जो नगराश्रित विहारों के अनुकूल नहीं थी।" (*र०अ० रे*). इस कथन के परिप्रेक्ष्य में भारतीय बौद्ध धर्म के इतिहास में देवदत्त की स्थिति का मूल्यांकन कीजिए।

3. To what extent was iron technology responsible for the rise of Buddhism?

   किस हद तक लौह तकनीकि बौद्ध धर्म की उत्पत्ति के लिए ज़िम्मेदार थी ?

4. "Early Buddhism could not have crusaded against the upper castes, as they constituted the interest of its patrons." Do you agree? Discuss in the light of Buddhist attitude towards caste system.

   "प्रारंभिक बौद्ध धर्म उच्च जातियों के विरुद्ध अभियान नहीं कर सकता था क्योंकि उसके संरक्षकों के हित उनमें सन्निहित थे।" क्या आप सहमत हैं? जाति प्रथा के प्रति बौद्ध धर्म के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

5. "Urban character and fickle-minded laity were primarily responsible for the decline of Buddhism in the land of its origin." Do you agree? Why?

   "नगरीय चरित्र और विभ्रांत-मस्तिष्क श्रावक बौद्ध धर्म की मातृभूमि में उसके पतन हेतु मूलतः उत्तरदायी थे।" क्या आप सहमत हैं? क्यों ?